



सतपत्री

(यह सतपत्री अभिमंत्रित है , इसका सदैव आदर करें।)

ॐ

सत् आश्रम

मम सात्विक मनुष्य चः



ॐ गणेशाय नमः
जय धूमावती माँ

जय गुरुजी महाराज

सतपत्री क्या है?

ॐ सतआश्रम

ॐ बं बटुक भैरवाय नमः
जय पितृदेवों की

जय गुरुजी

सनातन विज्ञान से पूरी तरह परिपूर्ण है ,ब्रह्मांड की कॉस्मिक ऊर्जा , सकारात्मक फ्रीक्वेंसी(तरंगों) की समझ, उस ऊर्जा से खुद को लाभ पहुंचाने की समझ इसी सनातन की देन है। यह सतपत्री आपके जीवन का आपके भूत, वर्तमान, भविष्य का एक लेखा-जोखा है। आपके भाग्य का, आपके कर्मों का प्रतिबिंब है। प्राचीन वैदिक शास्त्रों द्वारा ज्योतिषी के समस्त ज्ञान की समझ को एकाकार करते हुए जन्म कुंडली का निर्माण एवं उपाय ही सतपत्री में निहित है। प्रारंभ करने के पूर्व भचक्र को समझना महत्वपूर्ण है। भचक्र को राशिचक्र भी कहते हैं। राशि चक्र में पहला नक्षत्र है अश्विनी नक्षत्र , इसके पश्चात भरणी नक्षत्र , इसके पश्चात कृतिका नक्षत्र कुल २७ नक्षत्र है। एक राशि ढाई नक्षत्र से बनती है, उदाहरण के लिए पहले दो नक्षत्र अश्विनी और भरणी से मेष राशि का निर्माण होता है। वैदिक ज्योतिष में राशिचक्र एवं उसमें स्थित ग्रहों व नक्षत्रों की स्थिति द्वारा कुंडली का निर्माण होता है । अगर यह सटीकतम हो तो जातक की स्थिति , परिस्थिति , नीयत , नियति का अनुमान सटीक पता लगता है । सतपत्री के माध्यम से जातक की राशि का सटीक अनुमान लग पाता है।

ॐ गणेशाय नमः
जय धूमावती माँ

जय गुरुजी महाराज

अभिमंत्रित सतस्तोन्स

ॐ सतआश्रम

जय गुरुजी

ॐ बं बटुक भैरवाय नमः
जय पितृदेवों की

जब विशुद्ध मन्त्रमणि को महाभारतकालीन द्वापरयुगीन प्राचीन सनातनी मंत्रों से अभिमंत्रित किया जाता है तो वह अभिमंत्रित सतस्तोन्स बन जाता है। विशुद्ध मन्त्रमणि का प्रयोग राहु मंत्र के बड़े प्रभावों को निराकृत करने के लिए किया जाता है। यह जादुई रूप से राहु के सकारात्मक प्रभावों को बढ़ाता है और इस ग्रह से संबंधित विभिन्न लाभ देता है।

अगर मन्त्रमणि अभिमंत्रित होकर अभिमंत्रित सतस्तोन्स बन जाती है तो उसका प्रभाव बहुत लाभकारी होता है। मन्त्रमणि का सकारात्मक कर्तार होने वाली है परन्तु किन संख्याओं में हम मन्त्रमणि को अभिमंत्रित करते हैं और अभिमंत्रित भी एक सार्विक समुदाय को सतआश्रम में बढवाये होता है उसी के ज्ञान करवाया जाता है।

उन मन्त्रमणि का रंग बदला जाता है जिससे उनकी अभिमंत्रित की सक्ति की का ज्ञान रह सके। अलग-अलग भक्तों के अलग-अलग उपासकों की पेशी के लिए एवं उनकी कुटुंबी की पेशीनिर्वा को देखते हुए अलग-अलग रंग के अभिमंत्रित सतस्तोन्स दिए जाते हैं। सतआश्रम में जो भी भक्त आए है, चाहे वह दिल्ली से चुके वन्नी हो, चाहे मध्य प्रदेश से भी याक हुक्का केस अश्रम के उपासकों ने एवं अभिमंत्रित सतस्तोन्स ने सल्लुखन दिए है। एक महत्वपूर्ण बात जिसना भी सतआश्रम के माध्यम से इस सतपती के माध्यम से मूल्य प्राप्त होता है, वह खरा हमारे एनबीओ में जाता है। जो एनबीओ जीकेपी, पितृदेवों की, बटुक भैरवा की, बुद्धों की एवं गणेश, हनुमान एवं अरुण ज्योतिषों की सेवा में सदैव तय रहता है। आपका दिया हुआ मूल्य किसी का जीवन बनाएगा एवं उनके द्वारा दिया हुआ आनीर्वादि अन्न की कुटुंबी कर्मकास सारा कर्म माध्यम से और पराएत करेगा, सार्विक करेगा और सकारात्मक करेगा। अगर किसी भी कारणवश या भ्रम के श्रेत से यह स्तोन खो जाता है, नष्ट हो जाता है। तो भक्तों को समझ देना चाहिए की घेर किपति स्तोन ने अपने ऊपर प्रभा है। किसी को घेर सार्विक ज्योतिष बुद्धे में विनका दैर्घ्योनिपत् आव भी हमारे पास है जो रविवार के दिन हमारे पास आनी चमरया देकर आए थे और उनका मनोरथ आगामी तीन दिन में साफल हो सगा था। अगर आपका उत्पाद खो है, तो अश्रम पर और स्तोन पर आका विश्वास अटूट है और आप अपने स्तोन को सतसंभ्र 'मम सार्विक मनुष्य स' के ज्ञाप से और सक्तिशाली बन रहे हो तो निश्चय ही आपकी सफलता प्राप्त होगी। एवं आपकी गति सुदृष्टी, स्वर्गिक सत, सम्मान में वृद्धि होगी और आपकी मनोकामनाओं की पूर्ति होगी। किसी भी तरह का दुर्घटना, दुर्भावहार एवं गलत निश्चि सतस्तोन्स को क्षीण करेगी तबु आपकी रक्षा करे। अभिमंत्रित स्तोन का मूल्य अलग-अलग होने का कारण भी यही है, कि अगर आपकी कुटुंबी में पाप कर्म ज्यादा है आपका भ्रम ज्यादा दौष है तो आपकी अधिक अभिमंत्रित सक्ति का सतस्तोन्स तेजा होगा जो अन्न के उपास के साथ आपके पास रहेगा, और इसलिये सतस्तोन्स की अभिमंत्रितों की श्रेणी से अलग अलग हो जाती है।

ॐ गणेशाय नमः
जय धूमावती माँ

जय गुरुजी महाराज

सेवा परमो धर्मः

ॐ सतआश्रम

ॐ बं बटुक भैरवाय नमः
जय पितृदेवों की

जय गुरुजी

भाग्य और कर्म में से क्या प्रधान होता है ?

अगर आपका भाग्य उच्च है ,और कर्म नीच का तो भी आपको गति नहीं मिलेगी और अगर आपका कर्म उच्च का है और भाग्य नीच का तो भी आपको सतमार्ग नहीं मिलेगा। यह भाग्य था एक लकड़हारे का कि उसे पूरी पृथ्वी पर अपना एक साम्राज्य स्थापित करना है और यह कर्म करवाए श्री चाणक्य ने की उसने नंद वंश के शासक धनानंद को हराकर श्री चंद्रगुप्त मौर्य की उपाधि प्राप्त की। आप निसंदेह अपने भाग्य के साथ बदलाव नहीं कर सकते, परंतु अपने कर्मों की गति बदलते हुए ,सेवा भाव रखते हुए अपने आने वाले भाग्य को संवार भी सकते हैं और सकारात्मक भी कर सकते हैं।



ॐ गणेशाय नमः

जय धूमावती माँ

जय गुरुजी महाराज

ॐ सतआश्रम

नाम -
जन्मतिथि -
जन्मस्थान -
जन्मसमय -



ॐ बं बटुक भैरवाय नमः

जय पितृदेवों की

जय गुरुजी

आपका कल्याण हो, आप सदैव प्रसन्न रहें , आपकी हर मनोकामना पूरी हो

ॐ गणेशाय नमः

जय धूमावती माँ

जय गुरुजी महाराज

भूत , वर्तमान , भविष्य

ॐ सतआश्रम
नाम -

ॐ बं बटुक भैरवाय नमः

जय पितृदेवों की

जय गुरुजी

भूत

(आपका व्यक्तित्व, आपका भूतकाल,आपकी
जानकारी,आपके पूर्व जन्म के कर्म)

वर्तमान

(आज का समय,
आज की घटनाएँ)

भविष्य

(आने वाले निर्धारित समय के कर्म)

www.freedomfightertrust.com

ॐ गणेशाय नमः
जय धूमावती माँ

जय गुरुजी महाराज

उपाय

ॐ सतआश्रम

ॐ बं बटुक भैरवाय नमः
जय पितृदेवों की

जय गुरुजी

।।।जरूरी उपाय अभिमंत्रित सतस्टोन को अपने साथ ऊपरी जेब में
या हैंडबैग पर्स इत्यादि में रखने के बाद ही करें।।।

नियमित चलने वाले उपाय

जरूरी उपाय दिनांक और माह के

विशेष खबरदारियां

WWW.FREEDOMFIGHTERS.COM



ॐ गणेशाय नमः

जय धूमावती माँ

जय गुरुजी महाराज

विशेष उपाय (पूरे जीवन के)

ॐ सतआश्रम

ॐ बं बटुक भैरवाय नमः

जय पितृदेवों की

जय गुरुजी

www.freedomfighter.org



ॐ गणेशाय नमः

जय धूमावती माँ

जय गुरुजी महाराज

भरतवाक्य

ॐ सतआश्रम

ॐ बं बटुक भैरवाय नमः

जय पितृदेवों की

जय गुरुजी

प्रातः काल उठते समय ॐ गणेशाय नमः, ॐ बं बटुक भैरवाय नमः, जय धूमावती मां, जय पितृ देवों की, जय गुरु जी महाराज और जय गुरु जी इनका जाप जरूर करें। यह आपके जीवन में शक्ति, सफलता एवं उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेगा। जीवन सफल बनाने हेतु अभिवादन के समय "ॐ सताश्रम" नियमित कहें। "मम सात्विक मनुष्य चः" के जाप जरूर करें, यह आपको एवं आपके अभिमंत्रित सतस्टोन को इस ब्रह्मांड की असीम कॉस्मिक ऊर्जा से, असीम सकारात्मक ऊर्जा से ओतप्रोत करता रहेगा। मात-पिता चाहे जैसे भी हो उन्हीं का सुमिरन करें एवं ध्यान करें वह बेहद जरूरी है।

ईश्वर आपका कल्याण करे,आपके हर मनोरथ सिद्ध एवम सफल होंगे।

www.freedomfightertrus.com